ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–८६
दिनांक– शुक्रवार, २४ नवम्बर, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 28.1 एवं 13.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 89 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 48 प्रतिशत, हवा की औसत गति 1.1 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 2.0 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 3.9 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 18.3 एवं दोपहर में 26.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(25–29 नवम्बर, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 25–29 नवम्बर, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल आ सकते हैं। हालाँकि इस दौरान मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 28 से 29 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 14–15 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन 3 से 5 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 65 से 75 प्रतिशत तथा दोपहर में 30 से 40 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पिछात धान की कटाई कर किसान प्राथमिकता देकर गेहूं की बुआई करें। सिंचित एवं सामान्य समय पर गेहूं की बुआई के लिए तापमान तथा अन्य मौसमीय परिस्थितियाँ अनुकूल है। किसान प्राथमिकता देकर गेहूं की बुआई करें। पी0बी0डब्लू0–178, पी0बी0डब्लू0–252, एच0डी0–2967, राजेंद्र गेहूं–3 एवं 4 किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। बीज को बुबाई से पहले 2.5 ग्राम बेबीस्टीन से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित करें। बुआई के समय 60 किलोग्राम नेत्रजन, 60 किलोग्राम फॉसफोरस एवं 40 किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर डालें। छिटकबाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर 125 किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए 100 किलोग्राम बीज का व्यवहार करें। बीज के अच्छे जमाव के लिए खेत में नमी का होना आवश्यक है।
- रबी मक्का की बुआई 30 नवम्बर तक सम्पन्न कर लें। अन्यथा उपज प्रभावित हो सकती है। बुआई के लिए संकर किस्में शक्तिमान 1 सफेद, शक्तिमान 2 सफेद, शक्तिमान–3 पीला, शक्तिमान 4 पीला, शक्तिमान–5 पीला, गंगा 11 नारंगी पीला, राजेन्द्र संकर मक्का 1, राजेन्द्र संकर मक्का 2 एवं राजेन्द्र संकर मक्का दीप ज्वाला तथा संकुल किस्में– देवकी सफेद, लक्ष्मी सफेद एवं सुआन पीला इस क्षेत्र के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में 50 किलोग्रम नेत्रजन, 75 किलोग्रम फास्फोरस एवं 50 किलोग्रम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें।
- आलू की रोपाई यथाशीघ्र समपन्न करे। कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी अशोका, कुफरी पुखराज, कुफरी बादशाह, कुफरी लालीमा, कुफरी ज्योति, कुफरी सिंदुरी, कुफरी आनन्द, कुफरी पुष्कर, कुफरी अरुण, कुफरी गिरधारी, कुफरी सदाबहार, राजेन्द्र आलू– 1, राजेन्द्र आलू– 2 तथा राजेन्द्र आलू–3। बीज दर 25–30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखे। पंक्ति से पक्ति की दूरी 50–60 से0मी0 एवं बीज से बीज की दूरी 15–20 से0मी0 रखें। आलू को काट कर लगाने पर तीन स्वस्थ आँख वाले टुकडे को उपचारित कर 24 घंटे के अन्दर लगावे। बीज को एगलॉल या एमीसान के 0.5 प्रतिषत घोल या डाइथेन एम0 45 के 0.2 प्रतिशत घोल में 10 मिनट तक उपनचारित कर छाया में सुखाकर रोपनी करे। समूचा आलू (20–40 ग्राम) लगाना श्रेष्ठकर है। खेत की जुताई में कम्पोस्ट 200–250 क्विटल, 75 किलोग्रम नेत्रजन, 90 किलोंग्रम फास्फोरस एवं 100 किलोग्रम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें।
- चना की बुआई करते रहे, बुआई के लिए तापमान तथा अन्य मौसमीय परिस्थितियाँ अनुकूल हैं। चना की प्रमुख किस्में हैं पूसा–256, के0पी0जी0–59(उदय) एवं पूसा 372। बुआई से पूर्व बीज को बेबीस्टीन 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। कजरा पिल्लू से बचाव हेतु क्लोरपाईरीफॉस 8 मि0ली0 प्रति किलोग्राम की दर से 24 घंटा बाद बीज में मिलावें। पुनः 24 घंटे छाया में रखने के बाद राईजोबीयम कल्चर पॉच पैकेट प्रति हेक्टेयर की दर से उपचारित करें। बुआई के समय 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम फॉसफोरस, 20 किलोग्राम पोटास एवं 20 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें।
- विगत माह बोयी गई मटर, राजमा, लहसून एवं सब्जियों वाली फसलें– बैगन, टमाटर, मिर्च, पत्तागोभी एवं फूलगोभी में निकाई गुराई तथा आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। सब्जियों में कीट–व्याधी की निगरानी करें।
- अक्टुबर माह में बोयी गयी लहसुन की फसल से खर–पतवार की निकासी कर हल्की सिंचाई आवश्यकतानुसार करें। फसल में कीट की निगरानी करें।
- इस ऋतू में पशुओं को ढके हुए शेड में रखें एवं शेड में नमी नहीं हो। दुधारू पशुओं को 200 ग्राम तिलहन खल्ली, 100 ग्राम गुड़, 50 ग्राम खनिज मिश्रण एवं 50 ग्राम साधारण नामक का मिश्रण प्रतिदिन खिलाएं। प्रत्येक पशु को उपयुक्त कृषि नाशक दवा दें एवं खुरपका मुहपका गलघोटू एवं लंगड़ी बीमारी से बचाव के लिए टिकाकरण कराएं।

आज का अधिकतम तापमानः 28.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 12.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)